6 से 8 वर्ष के बच्चों के लिए

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत की स्थापना पुस्तकों के प्रोन्नयन और पठन अभिरुचि के विकास के उद्देश्य से सन् 1957 में भारत सरकार (उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय) द्वारा की गई थी। न्यास द्वारा हिंदी, अँग्रेजी सहित 30 से अधिक भाषाओं व बोलियों में पुस्तकों का प्रकाशन किया जाता है। बच्चों की पुस्तकों का प्रकाशन सदैव से संस्था की प्राथमिकता रही है।

ISBN 978-81-237-7147-2

पहला संस्करण : 2014
तीसरी आवृत्ति : 2019 (*शक* 1940)

© कुसुमलता सिंह, 2013

Fir Khil Gaye Phool *(Hindi Original)*

₹ 40.00

निदेशक, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज़-II
वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070 द्वारा प्रकाशित
www.nbtindia.gov.in

nbt.india
एकः सूते सकलम्

Fir Khil Gaye Pool-Final RP 3 rd 6-3-2019.indd 2 3/7/2019 11:06:08 AM

नेहरू बाल पुस्तकालय

फिर खिल गये फूल

कुसुमलता सिंह
चित्रः पार्थ सेनगुप्ता

nbt.india
एकः सूते सकलम्

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
NATIONAL BOOK TRUST, INDIA

Fir Khil Gaye Fool-Final RP 3 rd 6-3-2009.indd 1 3/7/2009 11:04:08 AM

जंगल में फूल खिले थे। एक दिन वहाँ आ गया एक चोर। उसे फूलों के रंग, उनकी खुशबू अच्छी नहीं लगती थी। सबसे ज्यादा नफरत थी उसे पीले फूलों से।

nbt.india

nbt.india

एक दिन उस चोर ने जंगल के सारे पीले फूल चुरा लिए।

सूरजमुखी, गेंदा, चंपा, अमलतास, पीली कनेर, सरसों के फूल, तोरई के फूल और भी ढेर सारे।

उन फूलों को फूल चोर ने एक गठरी में
बाँध लिया।

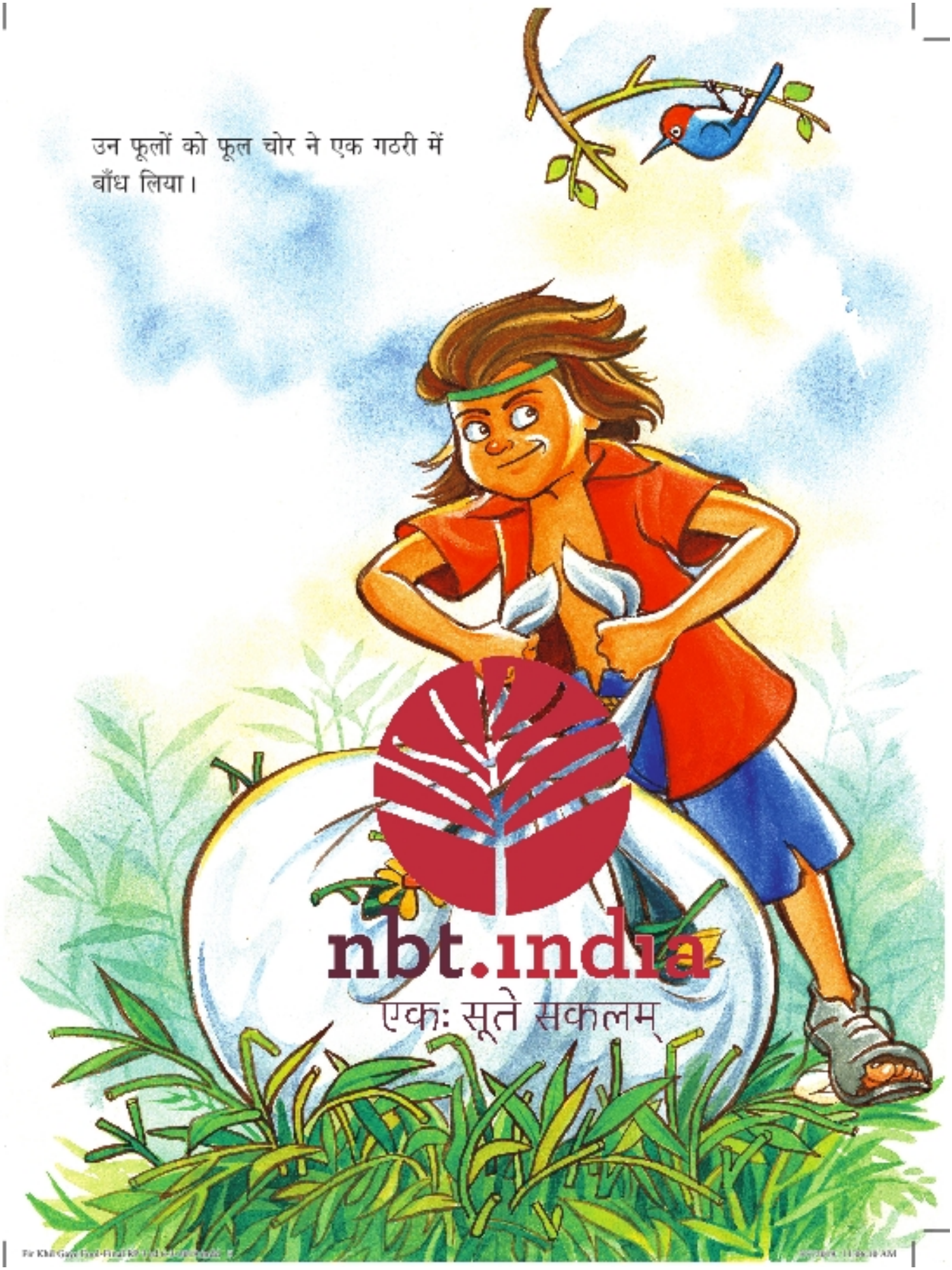

nbt.india
एकः सूते सकलम्

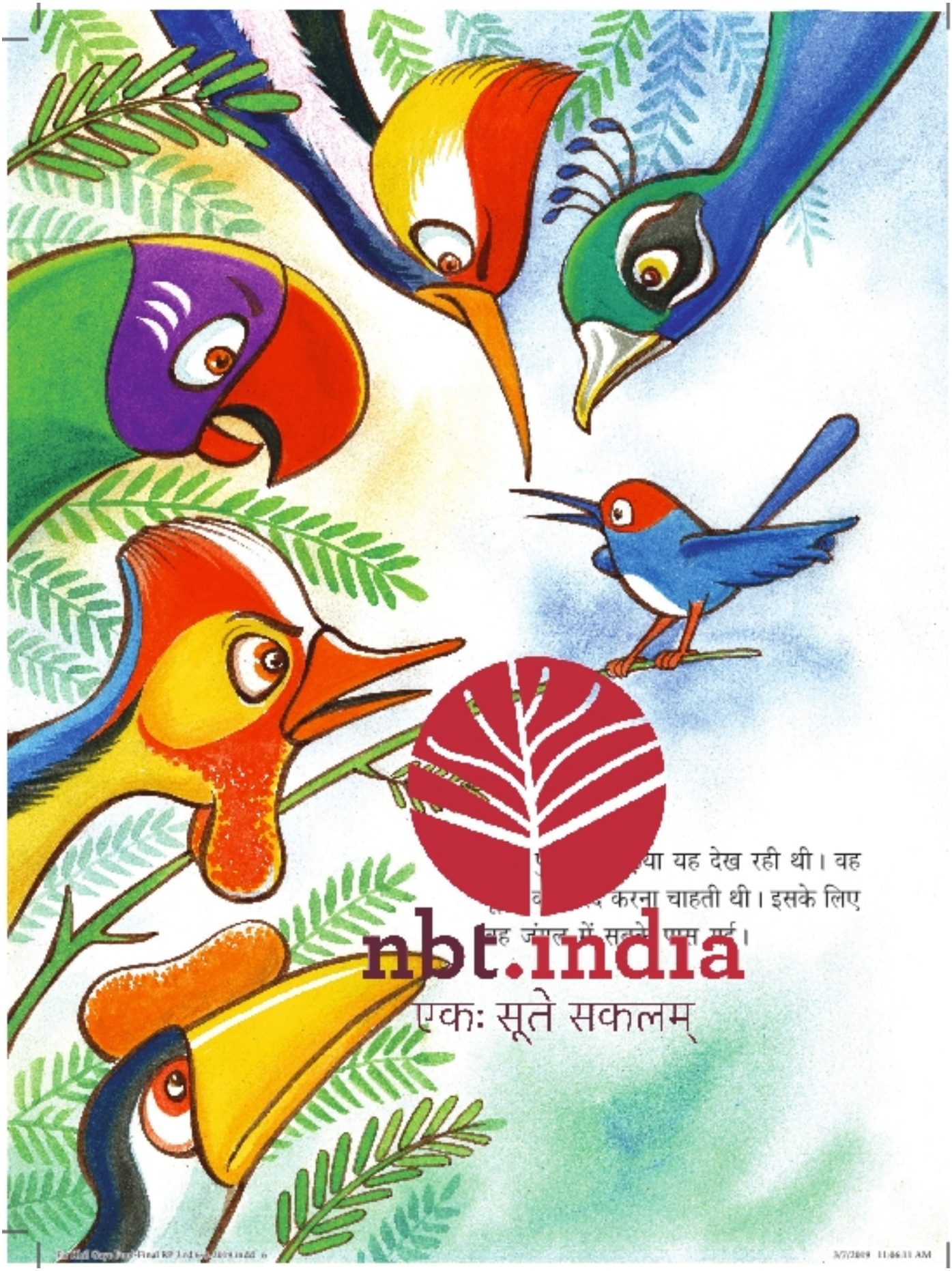

या यह देख रही थी। वह
करना चाहती थी। इसके लिए
वह जंगल में सबसे पास गई।

nbt.india
एकः सूते सकलम्

किसी को कुछ समझ नहीं आया
फूलों की मदद कैसे करें?

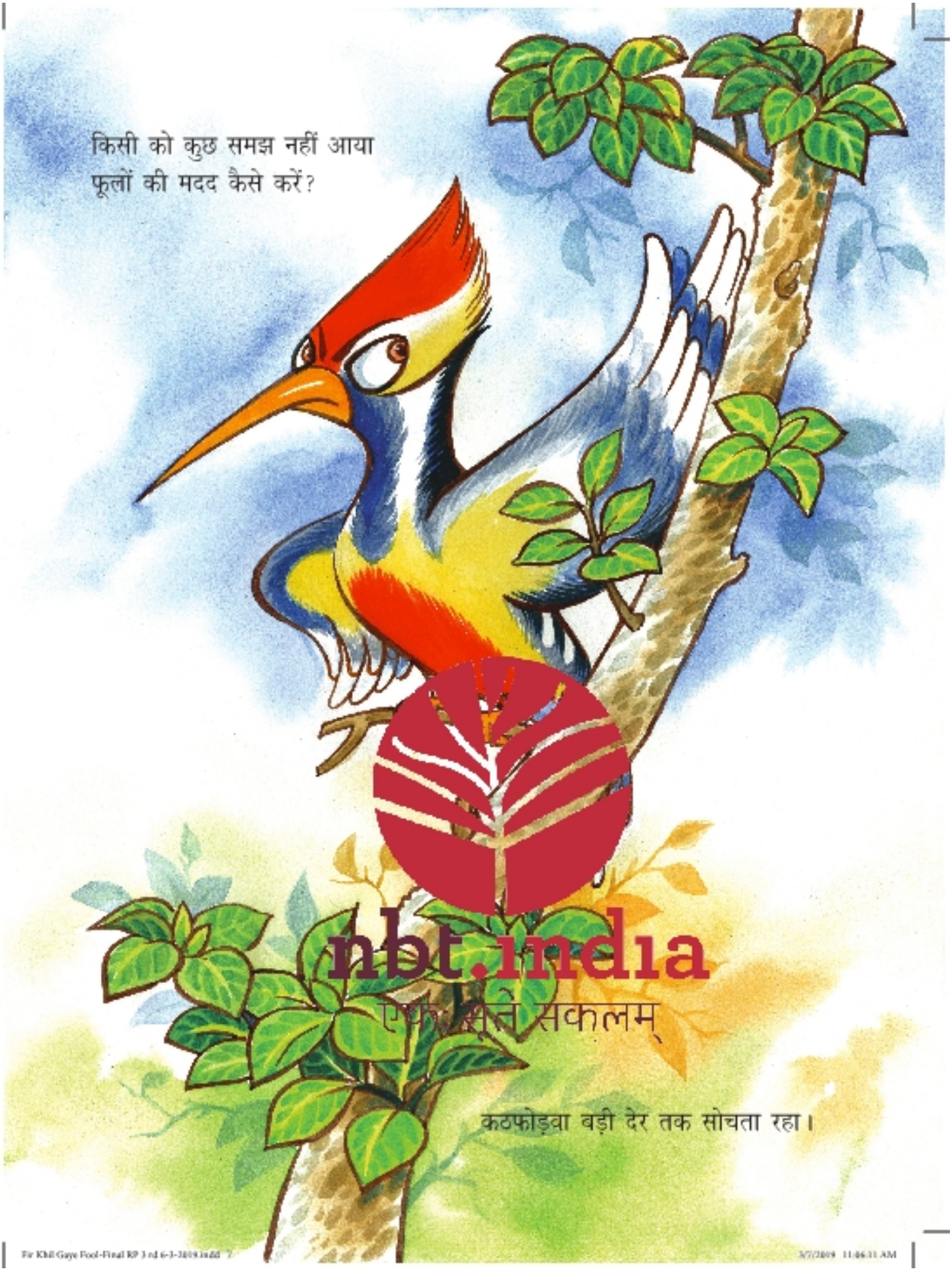

nbt.india
एकम् सूते सकलम्

कठफोड़वा बड़ी देर तक सोचता रहा।

गठरी में बंधे फूल मुरझा कर सूख रहे थे। यह देखकर फूल चोर बहुत खुश हुआ।

nbt.india

एक दिन उसने सूखे फूलों की गठरी पीठ पर
लादी और बाहर घूमने निकला।

nbt.india
एकः सूते सकलम्

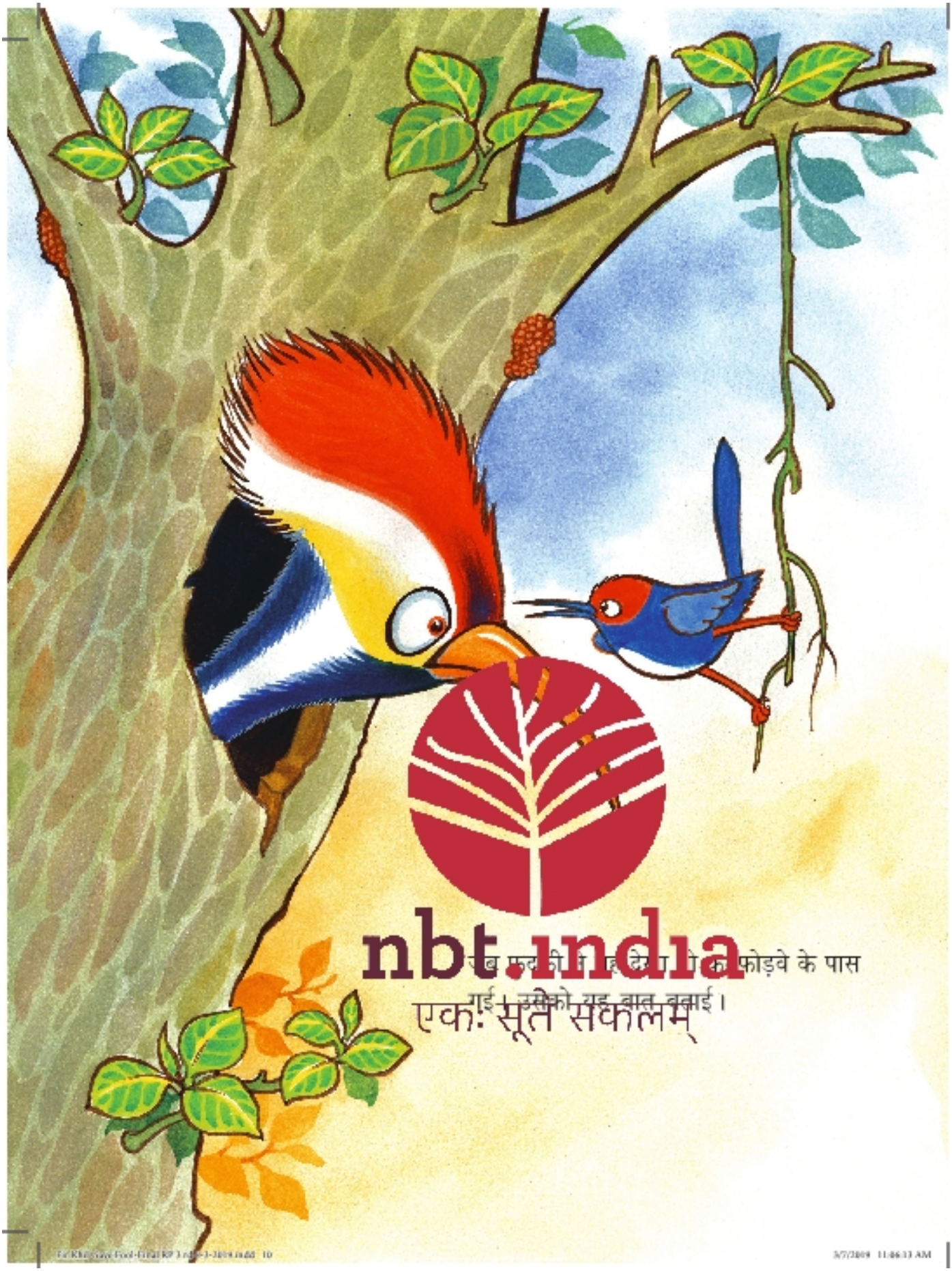

तब फुदकी चिड़िया कठफोड़वे के पास गई। उसको यह बात बताई।

nbt.india
एकः सूते सकलम्

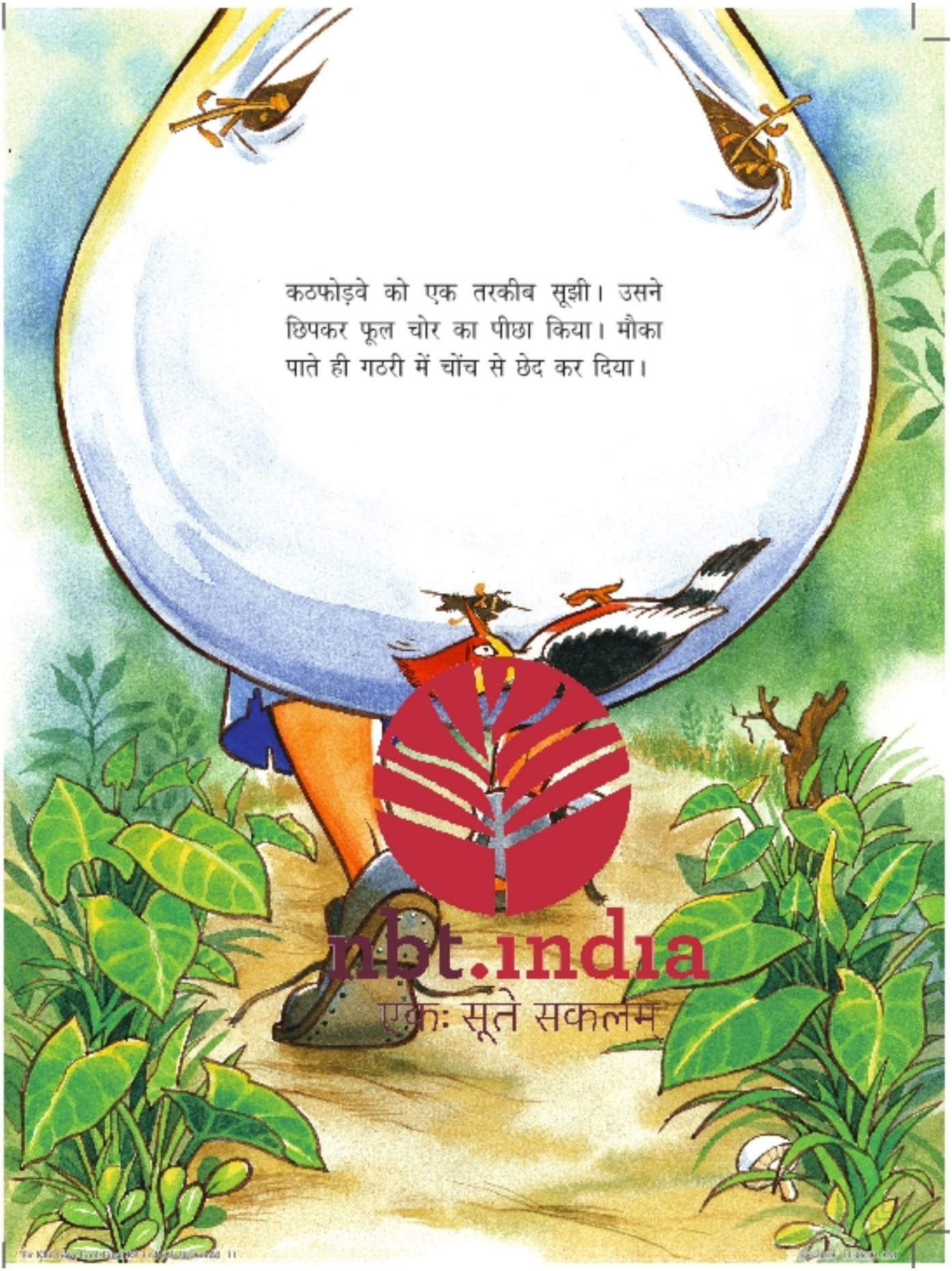

कठफोड़वे को एक तरकीब सूझी। उसने छिपकर फूल चोर का पीछा किया। मौका पाते ही गठरी में चोंच से छेद कर दिया।

nbt.india
एकः सूते सकलम्

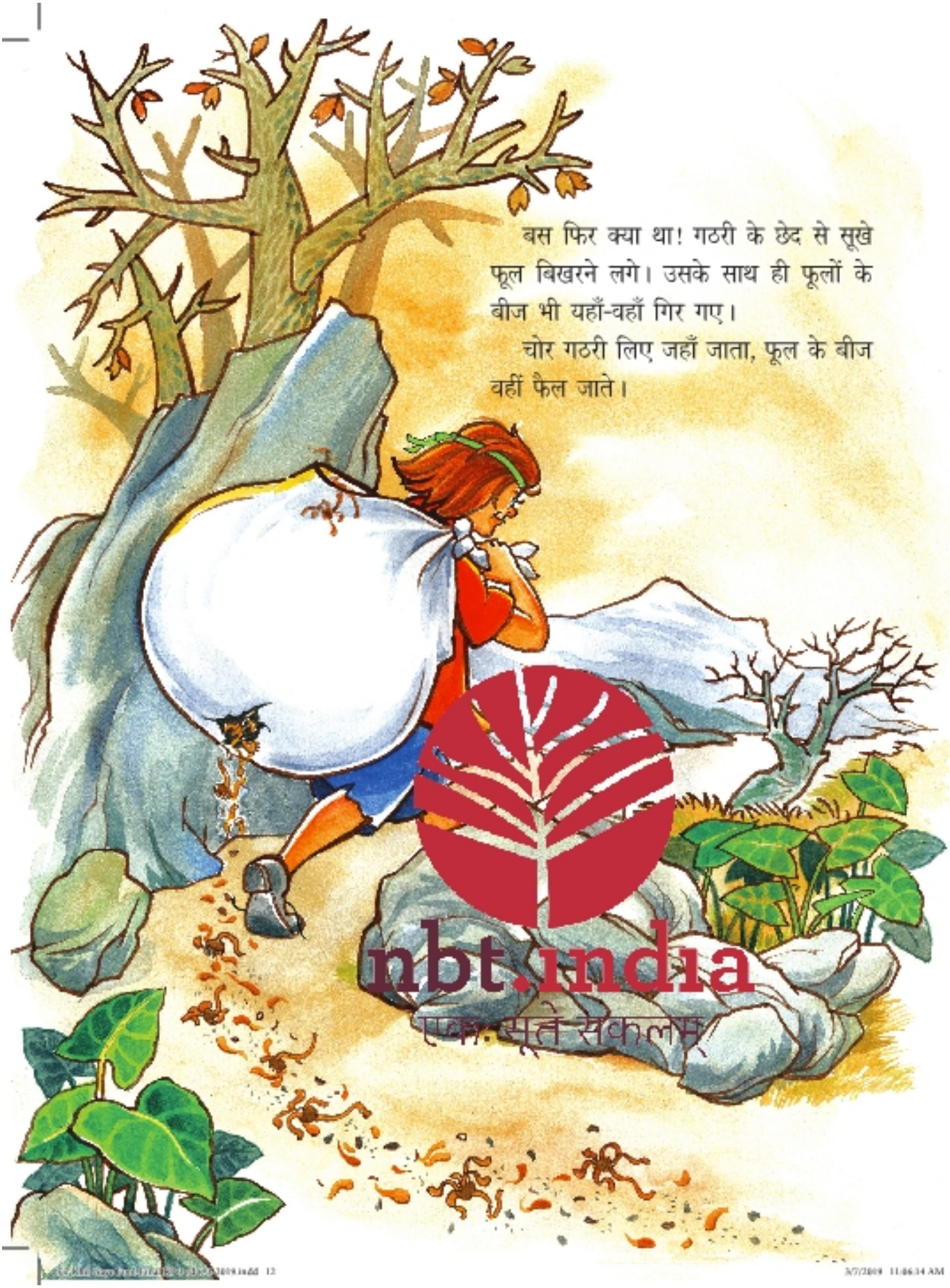

बस फिर क्या था! गठरी के छेद से सूखे फूल बिखरने लगे। उसके साथ ही फूलों के बीज भी यहाँ-वहाँ गिर गए।

चोर गठरी लिए जहाँ जाता, फूल के बीज वहीं फैल जाते।

nbt.india
एक: सूते सकलम्

धीरे-धीरे गठरी हल्की होती चली गई। सूखे फूलों के बीज चारों ओर फैल गए। बारिश हुई और जमीन पर फैले फूलों के बीज में अँकुर फूटने लगे। कुछ ही समय में चारों ओर हरियाली हो गई।

nbt.india
एकः सूते सकलम्

फिर जंगल फूलों से भर गया।

nbt.india

फूल चोर को जब कठफोड़वे की इस करतूत का पता चला तो वह कठफोड़वे को मारने दौड़ा।

कठफोड़वा जहाँ जाता, फूल चोर उसका पीछा करता।

nbt.india
एकः सूते सकलम्

यह देख फुदकी फिर सबसे मदद माँगने गई। मधुमक्खियों ने सुना तो कठफोड़वे की जान बचाने दौड़ पड़ीं।

nbt.india
एकः सूते सकलम्

मधुमक्खियाँ मिलकर फूल चोर के पीछे पड़ गईं। फूल चोर तो मधुमक्खियों के डंक मारने की कल्पना कर के ही काँप गया। वह छिपकर जंगल के अँधेरे में ऐसा भागा कि आज तक नहीं लौटा।

जंगल में अब ढेर सारे फूल हैं - लाल, नारंगी, नीले.......और पीले वाले भी।

Fir Khil Gaye Fool-Final RP 3 rd 6-3-2009.indd 16 3/7/2009 11:06:16 AM

गोयल ऑफसैट प्रिंटर्स, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित

Fir Khil Gaye Fool-Final RP 3rd 6-3-2019.indd